पाठ-1

हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती

हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती,
लहरों से डरकर नैया पार नहीं होती।

नन्ही चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है,
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है,
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

डुबकियाँ सिन्धु में गोताखोर लगाता है,
जा-जाकर खाली हाथ लौट आता है,
मिलते न सहज ही मोती पानी में,
बढ़ता दूना उत्साह इसी हैरानी में,
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती,
हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती।

असफलता एक चुनौती है, स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो,
जब तक न सफल हो, नींद चैन से त्यागो तुम,
संघर्ष करो मैदान छोड़ो मत भागो तुम,
कुछ किए बिना ही जय-जयकार नहीं होती,
हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती।

Anwar Husain GMS Kharora Fatehgarh sahib

अभ्यास

1. **नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिन्दी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-**

ਹਾਰ = हार	ਮੁੱਠੀ = मुट्ठी	ਲਹਿਰ = लहर
ਨੀਂਦ = नींद	ਮੋਤੀ = मोती	ਜੈ-ਜੈਕਾਰ = जय-जयकार

2. **नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिन्दी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिन्दी शब्दों को लिखें :-**

ਹੌਸਲਾ = हिम्मत	ਨਾੜੀ, ਨਸ = रग	ਕਿਸ਼ਤੀ = नैया
ਜੋਸ਼ = उत्साह	ਕੀੜੀ = चींटी	ਦੁਗਣਾ = दूना

3. **शब्दार्थ**

हिम्मत	= हौसला
नैया	= जीवन रूपी नैया
रग	= नाड़ी, नस
सिन्धु	= सागर, समुद्र
गोताखोर	= पानी में डुबकी लगाने वाला
सहज ही	= आसानी से
चुनौती	= ललकार
चैन	= आराम

4. **इन प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें :-**

(क) कवि के अनुसार किन लोगों की हार नहीं होती? उत्तर:-कवि के अनुसार हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती।

(ख) नन्ही चींटी की क्या विशेषता है? उत्तर:-नन्ही चींटी लगातार मेहनत करती रहती है।

(ग) गोताखोर सिंधु में डुबकियाँ क्यों लगाता है? उत्तर:-गोताखोर मोती ढूंढने के लिए सिंधु में डुबकियाँ लगाता है।

(घ) हिम्मत करने वालों को असफलता को किस रूप में स्वीकार करना चाहिए? उत्तर:-हिम्मत करने वालों को असफलता को एक चुनौती के रूप में स्वीकार करना चाहिए।

5. **इन प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें :-**

(i) 'चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है' यह पंक्ति कवि ने किसके लिए कही है और क्यों? उत्तर:-यह पंक्ति कवि ने नन्ही चींटी के लिए कही क्योंकि चींटी अपने मकसद को हासिल करने के लिए बार बार चढने गिरने पर भी रुकती नहीं।

Anwar Husain GMS Kharora Fatehgarh sahib

(ii) गोताखोर को सागर से मोती निकालने के लिए क्या-क्या करना पड़ता है ?

उत्तर:-गोताखोर को सागर से मोती निकालने के लिए बार बार डुबकियाँ लगानी पड़ती हैं। मगर वह तब तक नहीं रुकता जब तक उसे मोती प्राप्त न हो जाएं।

6. **पर्यायवाची शब्द लिखें :-**

लहर = तरंग, मौज

नैया = कश्ती, नौका, नाव

कोशिश = यत्न, प्रयास

सिन्धु = सागर, रत्नातकर

उत्साह = जोश, उमंग

हाथ = हस्त, कर

संघर्ष = श्रम, परिश्रम

हिम्मत = कोशिश, मेहनत

7. **विपरीत अर्थ वाले शब्द लिखें :-**

नन्ही = विशाल

मेहनत = आलस

विश्वास = अविश्वास

सफल = असफल

हार = जीत

साहस = भय

8. **संज्ञा शब्द चुनकर सही का निशान (✓) लगाओ:-**

[ ] डरकर	[x] दाना	[x] मोती
[x] चींटी	[ ] जब	[ ] देखो
[ ] चढ़ना	[x] हाथ	[ ] असफलता
[x] सिन्धु	[ ] साहस	[x] पानी

Anwar Husain GMS Kharora Fatehgarh sahib

पाठ 1 हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती

प्रश्न 1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिए गए शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਹਾਰ - हार ਨੀਂਦ - नींद ਮੁੱਠੀ - मुट्ठी

ਮੋਤੀ - मोती ਲਹਿਰ - लहर ਜੈ ਜੈਕਾਰ - जय-जयकार

प्रश्न 2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिए गए हैं इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें:-

ਹੌਸਲਾ -हिम्मत ਨਾੜੀ, ਨਸ - रग ਕਿਸ਼ਤੀ – नैया

ਜੋਸ਼ - उत्साह ਕੀੜੀ – चींटी ਦੁਗਣਾ - दूना

प्रश्न 3 शब्दार्थ:-

हिम्मत - हौसला नैया- नाव रग – नाड़ी, नस

सिंधु – सागर गोताखोर- पानी में डुबकी लगाने वाला

सहज ही - आसानी से चुनौती - ललकार चैन - आराम

सप्रसंग व्यख्या

हिम्मत करने वालों .... पार नही होती।

सप्रसंग व्याख्या – प्रस्तुत पंक्तियाँ हिंदी की पाठ्य पुस्तक 'आओ हिंदी सीखें-8' में से कविता ' हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती' नामक कविता में से ली गई हैं। कविता में कवि ने सन्देश दिया है कि जो लोग हिम्मत करके आगे बढ़ते रहते हैं, उनकी कभी हार नहीं होती। जैसे लहरों से डरकर कभी भी नैया नदी से पार नहीं जा सकती।

नन्ही चींटी जब ....हार नहीं होती।

सप्रसंग व्याख्या – प्रस्तुत पंक्तियां हिंदी की पाठ्य पुस्तक 'आओ हिंदी सीखें-8' में से कविता ' हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती' नामक कविता में से ली गई हैं। कविता में कवि ने सन्देश दिया है कि नन्ही चींटी जब दाना लेकर दीवार पर चढ़ती है, तो वह सैंकड़ों बार फिसलती है। किन्तु उसके मन का विश्वास उसकी रगों में साहस भरता है। जिससे उसे बार-बार चढ़कर गिरना बुरा नहीं लगता। अत: उसकी मेहनत बेकार नहीं

होती और वह दीवार पर चढ़ ही जाती है। इस तरह कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

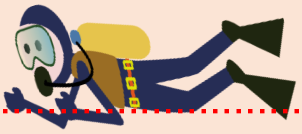

डुबकियाँ सिन्धु में ....हार नहीं होती।

सप्रसंग व्याख्या – प्रस्तुत पंक्तियाँ हिंदी की पाठ्य पुस्तक 'आओ हिंदी सीखें-8' में से कविता 'हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती' नामक कविता में से ली गई हैं । कविता में कवि ने सन्देश दिया है कि गोताखोर को सागर से मोती निकालने के लिए बार-बार डुबकियाँ लगानी पड़ती हैं और कई बार उसे खाली हाथ ऊपर आना पड़ता है। इसी असफलता के कारण उसका उत्साह बढ़ता जाता है। अत: उसकी मेहनत बेकार नहीं होती और वह मोती ढूँढ ही लेता है । इस तरह कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

असफलता एक चुनौती...हार नहीं होती।

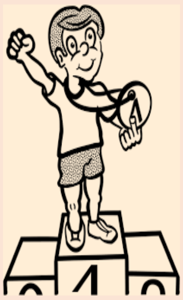

सप्रसंग व्याख्या – प्रस्तुत पंक्तियाँ हिंदी की पाठ्य पुस्तक 'आओ हिंदी सीखें-8' में से कविता ' हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती' नामक कविता में से ली गई हैं। कविता में कवि ने सन्देश दिया है कि असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करना चाहिए। काम में यदि कोई कमी रह गई है तो उसको ढूँढ कर सुधार करना चाहिए। जब तक सफलता नहीं मिलती तब तक नींद और आराम का त्याग कर देना चाहिए। सफलता प्राप्ति के लिए संघर्ष करना पड़ता है। इस संघर्ष से भगाना नहीं चाहिए क्योंकि जीवन में कुछ किए बिना कभी भी किसी की जय जयकार नहीं होती। इस तरह कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

प्रश्न 2 इन प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें:-

(क) कवि के अनुसार किन लोगों की हार नहीं होती ?

उत्तर- कवि के अनुसार हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती।

(ख) नन्हीं चींटी की क्या विशेषता है ?

उत्तर- नन्ही चींटी दीवार पर चढ़ते हुए बार-बार फिसलने पर भी हार नहीं मानती और अंत में अपनी हिम्मत से दीवार पर चढ़ ही जाती है।

(ग) गोताखोर सिन्धु में डुबकियाँ क्यों लगाता है ?

उत्तर- गोताखोर मोती निकालने के लिए सिन्धु में डुबकियाँ लगाता है।

(घ) हिम्मत करने वालों को असफलता को किस रूप में स्वीकार करना चाहिए ?

उत्तर - हिम्मत करने वोलों को असफलता को चुनौती के रूप में स्वीकार करना चाहिए।

प्रश्न 3 इन प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें:-

(i) 'चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है' यह पंक्ति कवि ने किसके लिए कह और क्यों?

उत्तर - यह पंक्ति कवि ने चींटी के लिए कही है क्योंकि चींटी दीवार पर चढ़ते हुए बार-बार फिसलने पर भी हार नहीं मानती और अंत में वह अपनी हिम्मत से दीवार पर चढ़ ही जाती है।

(ii) गोताखोर को सागर से मोती निकलने के लिए क्या-क्या करना पड़ता है ?

उत्तर- गोताखोर को सागर से मोती निकालने के लिए बार-बार डुबकियाँ लगनी पड़ती हैं। कई बार उसे खाली हाथ उपर भी आना पड़ता है। परन्तु वह हिम्मत नहीं छोड़ता अंत: वह मोती निकाल ही लाता है।

प्रश्न 4. पर्यायवाची शब्द लिखें:-

लहर	– तरंग, हिलोर, विचि	नैया	– नौका, किश्ती,नाव
कोशिश	– प्रयास, प्रयत्न, कोशिश	सिंधु	– समुद्र, सागर, जलधि
उत्साह	– साहस, जोश, हिम्मत	हाथ	– कर,हस्त, पंजा
संघर्ष	– टकराव, युद्ध, लड़ाई	हिम्मत	– जोश, साहस, हौंसला

प्रश्न 5. विपरीत शब्द

नन्हीं	– बड़	मेहनत	– आलस्य
विश्वास	– अविश्वास	सफल	– असफल
हार	– जीत	साहस	– कायरता

शिक्षा विभाग,पंजाब

सौजन्य: दीपक कुमार, हिंदी मास्टर
राजकीय माध्यमिक विद्यालय
मानवाला बठिंडा

शोधक: राजन,हिन्दी मास्टर
राजकीय माध्यमिक विद्यालय
लोहारका कलां,अमृतसर